राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • बृहस्पतिवार • 19 अक्टूबर • 2023

ंमट्टी परीक्षण के आधार र उर्वरकों का करें प्रयोग

ुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद एवं प्रौद्योगिकी विवि के अधीन नत कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा औरंगावाद में धान फसल पर प्रक्षेत्र का जन किया इस मौके ज्ञानिकों ने परीक्षण के पर ों के प्रयोग सलाह ों को दी। ाकरा की मुख्य ायक डॉ. कुमार सिंह ने वताया कि इस योजना उद्देश्य जलवायु अनुकूल कृषि की का विकास जो प्राकृतिक और निर्मित संसाधनों के निरंतर प्रवंधन के ाथ कृषि उत्पादन और उत्पादकता को है। उन्होंने किसानों से कहा कि जना के चार मॉड्यूल हैंप्राकृतिक न प्रवंधन, मिट्टी की समस्या में फसल उत्पादन और पशुधन। इसका उद्देश्य किसानों को आत्मनिर्भर वनाना है। इस योजना के तहत किसानों के खेतों पर उसर सहनशील धान की प्रजाति सीएसआर 46 का प्रदर्शन देख किसान खुश हुए। मृदा

सीएसए में फसल देखते किसान। फोटो : एसएनबी

वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने वताया कि जनपद में करीव 15 से 17 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल उसर प्रभावित है। यहां पर उसर सहनशील फसलों की प्रजातियों को अपनाकर अपनी आमदनी वढ़ा सकते हैं। उन्होंने किसानों को मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के प्रयोग की सलाह दी। इस मौके पर शुभम यादव, चरण सिंह सहित गांव के 50 से अधिक किसान शामिल रहे।

खेतों पर उसर सहनशील धान की प्रजाति का हुआ प्रदर्शन

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 18 अक्टूबर। जलवायु अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय पहल योजना अंतर्गत धान फसल पर हुआ। प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम औरंगाबाद में धान फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। निकरा योजना की मुख्य समन्वयक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने बताया इस योजना द्वारा जलवायु अनुकूल कृषि प्रौद्योगिकी का विकास जो प्राकृतिक और मानव निर्मित संसाधनों के निरंतर प्रबंधन के साथ-साथ कृषि उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाना है। डॉक्टर सिंह ने किसानों से कहा कि परियोजना के चार मॉड्यूल हैं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, मिट्टी की समस्या में सुधार ,फसल उत्पादन और पशुधन का उद्देश्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाना है।इस योजना के तहत किसानों के खेतों पर उसर सहनशील धान की प्रजाति सी एस आर 46 का प्रदर्शन देख किसान खुश हुए। मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि जनपद में लगभग 15 से 17 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल उसर प्रभावित है जहां पर उसर सहनशील फसलों की प्रजातियां को अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं।उन्होंने किसानों को मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के प्रयोग की सलाह दी है। प्रक्षेत्र दिवस के अवसर पर शुभम यादव,चरण सिंह सहित गांव के 50 से अधिक किसानों ने सहभागिता की।

धान की प्रजाति सीएसआर 46, बढ़ायेगी पैदावार

Title-code: UPHIN-48963

E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर

समाचार पत्र

19,10,2023 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल नंबर 9956834016

Top News पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

जलवायु अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय पहल योजना अंतर्गत धान फसल पर हुआ प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

Reporter

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम औरंगाबाद में धान फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निकरा योजना की मुख्य समन्वयक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने बताया इस योजना द्वारा जलवायु अनुकूल कृषि प्रौद्योगिकी का विकास जो प्राकृतिक और मानव निर्मित संसाधनों के निरंतर प्रबंधन के साथ-साथ कृषि उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाना है। डॉक्टर सिंह ने किसानों से कहा कि परियोजना के चार मॉड्यूल हैं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, मिट्टी की समस्या में सुधार ,फसल उत्पादन और पशुधन _ का उद्देश्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाना है। इस योजना के तहत किसानों के खेतों पर उसर सहनशील धान की प्रजाति सी एस आर 46 का प्रदर्शन देख किसान खुश हुए।मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि जनपद में लगभग 15 से 17 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल उसर प्रभावित है जहां पर उसर सहनशील फसलों की प्रजातियां को अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं।उन्होंने किसानों को मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के प्रयोग की सलाह दी है। प्रक्षेत्र दिवस के अवसर पर शुभम यादव,चरण सिंह सहित गांव के 50 से अधिक किसानों ने सहभागिता की।

Sign in to edit and save changes to this file.

शाश्वत टाइम्स
हिन्दी दैनिक
wattimes.com
शाश्वत टाइम्स परिवार की ओर से सभी पाठकों व देशवासियों को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनायें

जलवायु अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय पहल योजना अंतर्गत धान फसल पर हुआ प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम औरंगाबाद में धान फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निकरा योजना की मुख्य समन्वयक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने बताया इस योजना द्वारा जलवायु अनुकूल कृषि प्रौद्योगिकी का विकास जो प्राकृतिक और मानव निर्मित संसाधनों के निरंतर प्रबंधन के साथ-साथ कृषि उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाना है। डॉक्टर सिंह ने किसानों से कहा कि परियोजना के चार मॉड्यूल हैं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, मिट्टी की समस्या में सुधार ,फसल उत्पादन और पशुधन द्व का उद्देश्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाना है।इस योजना के तहत किसानों के खेतों पर उसर सहनशील धान की प्रजाति सी एस आर 46 का प्रदर्शन देख किसान खुश हुए।मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि जनपद में लगभग 15 से 17 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल उसर प्रभावित है जहां पर उसर सहनशील फसलों की प्रजातियां को अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं।उन्होंने किसानों को मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के प्रयोग की सलाह दी है। प्रक्षेत्र दिवस के अवसर पर शुभम यादव,चरण सिंह सहित गांव के 50 से अधिक किसानों ने सहभागिता की।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 15 अंक : 110 कानपुर, गुरुवार 19 अक्टूबर 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

धान की प्रजाति सीएसआर 46 का प्रदर्शन देख किसान हुए गदगद

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम औरंगाबाद में धान फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निकरा योजना की मुख्य समन्वयक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने बताया इस योजना द्वारा जलवायु अनुकूल कृषि प्रौद्योगिकी का विकास जो प्राकृतिक और मानव निर्मित संसाधनों के निरंतर प्रबंधन के साथ-साथ कृषि उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाना है। डॉक्टर सिंह ने किसानों से कहा कि परियोजना के चार मॉड्यूल हैं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, मिट्टी की समस्या में सुधार ,फसल उत्पादन और पशुधन द्व का उद्देश्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाना है।इस योजना के तहत किसानों के खेतों पर उसर सहनशील धान की प्रजाति सी एस आर 46 का प्रदर्शन देख किसान खुश हुए।मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि जनपद में लगभग 15 से 17 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल उसर प्रभावित है जहां पर उसर सहनशील फसलों की प्रजातियां को अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं।उन्होंने किसानों को मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के प्रयोग की सलाह दी है। प्रक्षेत्र दिवस के अवसर पर शुभम यादव,चरण सिंह सहित गांव के 50 से अधिक किसानों ने सहभागिता की।

अंक-222 कानपुर, गुरूवार 19 अक्टूबर 2023 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौहदा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

धान फसल पर हुआ प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

कानपुर।चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम औरंगाबाद में धान फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निकरा योजना की मुख्य समन्वयक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने बताया इस योजना द्वारा जलवायु अनुकूल कृषि प्रौद्योगिकी का विकास जो प्राकृतिक और मानव निर्मित संसाधनों के निरंतर प्रबंधन के साथ-साथ कृषि उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाना है। डॉक्टर सिंह ने किसानों से कहा कि परियोजना के चार मॉड्यूल हैं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, मिट्टी की समस्या में सुधार ,फसल उत्पादन और पशुधन का उद्देश्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाना है।इस योजना के तहत किसानों के खेतों पर उसर सहनशील धान की प्रजाति सी एस आर 46 का प्रदर्शन देख किसान खुश हुए।मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि जनपद में लगभग 15 से 17 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल उसर प्रभावित है जहां पर उसर सहनशील फसलों की प्रजातियां को अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं।उन्होंने किसानों को मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के प्रयोग की सलाह दी है। प्रक्षेत्र दिवस के अवसर पर शुभम यादव,चरण सिंह सहित गांव के 50 से अधिक किसानों ने सहभागिता की।

वर्ष-17 अंक-289 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, गुरूवार 19 अक्टूबर 2023

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

दैनिक

RNI No.- UPHIN/2007/27090

नगर छाया

आप की आवाज़.....

जलवायु अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय पहल योजना के अंतर्गत

धान फसल पर हुआ प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम औरंगाबाद में धान फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निकरा योजना की मुख्य समन्वयक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने बताया इस योजना द्वारा जलवायु अनुकूल कृषि प्रौद्योगिकी का विकास जो प्राकृतिक और मानव निर्मित संसाधनों के निरंतर प्रबंधन के साथ-साथ कृषि उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाना है। डॉक्टर सिंह ने किसानों से कहा कि परियोजना के चार मॉड्यूल हैं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, मिट्टी की समस्या में सुधार ,फसल उत्पादन और पशुधन ड्ड का उद्देश्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाना है।इस योजना के तहत किसानों के खेतों पर उसर सहनशील धान की प्रजाति सी एस आर 46 का प्रदर्शन देख किसान खुश हुए।मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि जनपद में लगभग 15 से 17 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल उसर प्रभावित है जहां पर उसर सहनशील फसलों की प्रजातियां को अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं।उन्होंने किसानों को मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के प्रयोग की सलाह दी है। प्रक्षेत्र दिवस के अवसर पर शुभम यादव,चरण सिंह सहित गांव के 50 से अधिक किसानों ने सहभागिता की।

email: shahardayaranews@gmail.com

दैनिक

शहर दायरा न्यूज

हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय

https://www.facebook.com/shahardayaranews/

वर्ष 9 अंक: 70 | कानपुर, गुरूवार 19 अक्टूबर 2023 | पृष्ठ: 8 | मूल्य-2.00 ₹

धान की प्रजाति सीएसआर 46 का प्रदर्शन देख किसान हुए गदगद

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम औरंगाबाद में धान फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया इस अवसर पर निकरा योजना की मुख्य समन्वयक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने बताया इस योजना द्वारा जलवायु अनुकूल कृषि प्रौद्योगिकी का विकास जो प्राकृतिक और मानव निर्मित संसाधनों के निरंतर प्रबंधन के साथ-साथ कृषि उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाना है डॉक्टर सिंह ने किसानों से कहा कि परियोजना के चार मॉड्यूल हैं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, मिट्टी की समस्या में सुधार ,फसल उत्पादन और पशुधन का उद्देश्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाना है इस योजना के तहत किसानों के खेतों पर उसर सहनशील धान की प्रजाति सीएसआर 46 का प्रदर्शन देख किसान खुश हुए मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि जनपद में लगभग 15 से 17 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल उसर प्रभावित है जहां पर उसर सहनशील फसलों की प्रजातियां को अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं उन्होंने किसानों को मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के प्रयोग की सलाह दी है प्रक्षेत्र दिवस के अवसर पर शुभम यादव,चरण सिंह सहित गांव के 50 से अधिक किसानों ने सहभागिता की